भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 183
दिनांक 15.12.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंध

***183. श्री गौरव गोगोई:**
श्री महेश साहूः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अफगानिस्तान के साथ भारत के राजनयिक संबंधों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार भारत में कार्यरत अफगान मूल के विद्यार्थियों, व्यापारियों और व्यवसायों की सहायता करने के लिए कोई कदम उठा रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास को पुनः खोलने का कोई प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विदेश मंत्री
(डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंध" के संबंध में श्री गौरव गोगोई और श्री महेश साहू द्वारा पूछे गए दिनांक 15.12.2023 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *183 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ङ): अफगानिस्तान के प्रति भारत का दृष्टिकोण उसके ऐतिहासिक संबंधों, वहां के लोगों के साथ मित्रता तथा यूएनएससीआर 2593 सहित संगत संयुक्त राष्ट्र संकल्पों द्वारा निर्देशित हो रहा है। तालिबान द्वारा कब्ज़ा किए जाने के पश्चात काबुल स्थित दूतावास के भारतीय कार्मिक भारत लौट आए। जून 2022 से एक भारतीय तकनीकी दल को दूतावास में तैनात किया गया है तथा यह मानवीय सहायता और अन्य स्थितियों के संबंध में सक्रिय है। अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात को मान्यता प्रदान करने के संबंध में भारत का रुख अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अनुरूप है।

2. इस देश की बिगड़ती स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारत ने मानवीय सहायता की आपूर्ति करके अफगान लोगों की सहायता करने का निर्णय लिया। इस प्रयास में हमने मानवीय सहायता संबंधी कई शिपमेंट भेजे हैं जिनमें 50,000 मीट्रिक टन गेहूं, 250 टन चिकित्सा सहायता और 28 टन भूकंप राहत सहायता शामिल है। ये खेप संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएफपी), मानवीय मामलों के समन्वय हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओसीएचए), इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान (आईजीआईसीएच) और अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी (एआरसीएस) को सौंपी गईं।

3. भारत ने ड्रग्स का उपयोग करने वाली अफगान आबादी, विशेषकर महिलाओं के कल्याण हेतु सहायता प्रदान करने के लिए अफगानिस्तान में ड्रग्स एवं अपराध संबंधी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) के साथ भी साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत भारत ने 2022 से यूएनओडीसी, काबुल को स्वच्छता किट, शिशु आहार, कंबल, वस्त्र, चिकित्सा सहायता और अन्य विविध मदों की 11,000 इकाइयों की आपूर्ति की है।

4. शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने अफगान छात्रों के लिए अपनी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) छात्रवृत्ति योजना जारी रखी है। अगस्त 2021 से आईसीसीआर ने 600 अफगान लड़कियों सहित 3000 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया है। अफगानिस्तान में रहने वाले छात्रों को सुलभ शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए आईसीसीआर ने ई–विद्या भारती पोर्टल के माध्यम से भारतीय विश्वविद्यालयों में 1000 अफगान छात्रों के लिए वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में एक ऑनलाइन छात्रवृत्ति योजना भी आरंभ की है। इस योजना के तहत कुल प्रवेश में से 30% प्रवेश महिला छात्रों को दिए गए। भारत ने कृषि–संबंधी क्षेत्रों में अफगान छात्रों के लिए ऑनलाइन छात्रवृत्ति प्रदान करके अफगान राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय (एएनएएसटीयू) के साथ अपना सहयोग भी जारी रखा।

5. इसके अलावा, भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार और वाणिज्य जारी है, जिसमें चाबहार बंदरगाह के माध्यम से होने वाला व्यापार शामिल है।

6. नई दिल्ली में अफगानिस्तान इस्लामिक गणराज्य की राजनयिक उपस्थिति है तथा मुंबई और हैदराबाद में अफगानिस्तान इस्लामिक गणराज्य के कोंसलावास अभी भारत में कार्य कर रहे हैं। विगत दो वर्षों के दौरान, कुछ अफगान राजनयिकों ने अन्य देशों में निवास प्राप्त करने के पश्चात भारत छोड़ दिया है। तथापि, भारत स्थित शेष अफगान राजनयिकों ने अफगानिस्तान इस्लामिक गणराज्य के राजनयिक कामकाज को जारी रखने से संबंधित दायित्व को संभाल लिया है।

7. भारत के अफगानिस्तान के साथ ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध हैं तथा हमारी विकास साझेदारी में देश के प्रत्येक 34 प्रांतों में फैली पांच सौ से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं जो विद्युत, जलापूर्ति, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित हैं। काबुल में हमारा तकनीकी दल मानवीय सहायता में सहयोग के अतिरिक्त हमारी परियोजनाओं की स्थिति और उनके कामकाज की निगरानी कर रहा है।

*****